वर्ष-2, अंक 6, जून 2019

राज भवन संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

विशेष आकर्षण

- बिहार के विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन
- राजभवन में आयोजित पहले 'जन-विमर्श' कार्यक्रम में कई मामले निष्पादित हुए
- विश्वविद्यालयों में 'यू. एम. आई. एस.' के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई

अपसंस्कृति के दुष्प्रभावों से अपनी शिक्षा-पद्धति को बचाते हुए हमें नये भारत का निर्माण करना होगा–राज्यपाल

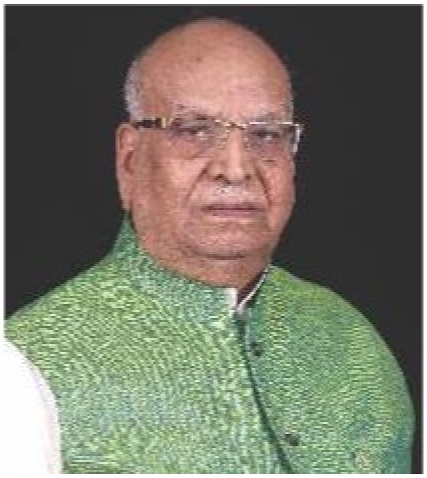

''उच्च शिक्षा के विकास एवं इसमें सुधार के प्रयासों को तेज करने के लिए हमें भारतीय संस्कृति की मूल जड़ों में सन्निहित विचार–सम्पदा के आलोक में ही रास्ते तलाशने होंगे। भौतिकतावाद के युग में विकसित हुई अपसंस्कृति के दुष्प्रभावों से अपनी शिक्षा–पद्धति को बचाते हुए ही हमें नये भारत का निर्माण करना होगा।''

शिक्षा में शोधपरकता को विकसित करना नितान्त आवश्यक है। शिक्षा को शोधोन्मुखी बनाते हुए इसके प्रति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संवेदनशील बनाना बेहद जरूरी है। ज्ञान–विज्ञान के हर क्षेत्र में प्राचीन भारत की जड़ें काफी गहरी जमी हुई हैं। सर्जरी के जनक सुश्रुत, महान गणितज्ञ आर्यभट्ट, विश्वविख्यात भारतीय अर्थशास्त्री कौटिल्य, जगदीश चन्द्र बोस आदि के शोधों की महत्ता को पूरी दुनियाँ ने स्वीकारा है। हमारी वैदिक ऋचाएँ एवं पौराणिक साहित्य भी अणु–परमाणु, पर्यावरण–शिक्षा आदि कतिपय वैज्ञानिक तथ्यों से ओत–प्रोत रहे हैं।

पर्यावरण–संतुलन की तरह वैचारिक संतुलन और शुद्धि भी जरूरी है। मैकाले, मार्क्स, लेनिन के दर्शन और सिद्धांतों से परिचित होने के पूर्व हमें भारतीय चिन्तकों और मनीषियों के जीवन–चिन्तन और आदर्शों से भी अवगत होना जरूरी है, तभी हमारी ज्ञान–संपदा और विचार–यात्रा संतुलित होगी। पाश्चात्य इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास के साथ न्याय नहीं किया है।

भारतीय जीवन–दर्शन त्याग और तपस्या पर बल देता है। यह आत्मा की अमरता का विश्वासी है। 'इदन्नमम' को माननेवाले भारतीय बड़े–से–बड़े त्याग के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। 'यत पिंडे, तत् ब्रह्माण्डे' हमारा केवल जीवन–दर्शन नहीं बल्कि आचार–सूत्र भी है।

भारतीय इतिहास और संस्कृति में शिक्षा और शांति को समान महत्व दिया गया है। प्राचीन काल में शिक्षा देनेवाले 'ऋषि' बराबर समाज को कुछ देने को इच्छुक रहते थे, समाज से कभी कुछ लेना उन्होंने नहीं चाहा। शिक्षकों को भी बराबर समाज के प्रति जवाबदेह रहना होगा, तभी नये राष्ट्र का भाग्योदय उत्कृष्ट रूप में हो सकेगा।

मैंने अपने सुदीर्घ सार्वजनिक जीवन में निराशा को कभी स्वीकार नहीं किया है। यही कारण है कि मैं उच्च शिक्षा के सुधार को लेकर सदैव तत्पर रहता हूँ और इसपर काफी समय देता हूँ। बिहार में उच्च शिक्षा के सुधार–प्रयासों के अच्छे परिणाम दिखने लगे हैं। शिक्षा और परीक्षा–कैलेण्डरों का पालन होने लगा है। एक को छोड़कर सारे विश्वविद्यालयों में 'दीक्षांत समारोह' आयोजित करते हुए वर्षों से लंबित डिग्रियाँ विद्यार्थियों को उपलब्ध करा दी गई हैं। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास हेतु संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जो व्यवस्था में सुधार–प्रयासों के साथ जुड़कर सहयोग करेंगे, वे सम्मानित होंगे तथा जो इसे बाधित करने का प्रयास करेंगे, उन्हें अपने विरूद्ध कार्रवाई के लिए तैयार रहना होगा।

हमें 'सँपेरों और जादू–टोनों का देश' कहने वालों का पक्षपातपूर्ण नजरिया भी अब बदल रहा है। नये भारत का उत्थान हो रहा है। भारतीय नेतृत्व ने उम्मीदों की किरणें युवाओं को दिखा दी है, उसी रोशनी में देश अब सतत आगे बढ़ता जाएगा।

शोध में गुणवत्ता-विकास पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यपाल-29 मई 2019

परीक्षाफलों के प्रकाशन के बाद सभी विश्वविद्यालयों में 'एकेडमिक कैलेण्डर' के अनुरूप समय पर नामांकन–कार्य पूरा करते हुए नये सत्र का शुभारंभ होनेवाला है। उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों की जो मजबूत नींव पिछले कुछ महीनों के दौरान डाली गयी है, उस पर आगे के पुनरूत्थान–कार्यों की सफलता निर्भर करेगी। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने सुधार–प्रयासों में तेजी लायें ताकि परिवर्तन और परिवर्द्धन के सार्थक परिणाम और अधिक सुस्पष्ट रूप में सामने आयें।

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति के निदेशानुरूप एक साथ सभी विश्वविद्यालयों में यू॰एम॰आई॰एस॰ (University Management Information System) को आगामी शैक्षणिक सत्र से कार्यान्वित किया जा रहा है। प्रथम चरण में सभी 260 अंगीभूत महाविद्यालयों का 'नैक प्रत्यय' (NAAC Accreditation) का काम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। पूर्व से 'नैक' मान्यता–प्राप्त महाविद्यालयों को अपनी ग्रेडिंग में सुधार करना है तथा अन्य कॉलेजों को अच्छी ग्रेडिंग के साथ 'नैक' की मान्यता हेतु प्रयास करना है। इस काम में तेजी लाने की आवश्यकता है। आशा है, 'नैक' विषयक कार्यशाला में प्राप्त प्रशिक्षण के अनुभव निश्चित रूप से इसमें सहायक सिद्ध होंगे। 'हेडपोस्ट' के काम को भी सभी विश्वविद्यालयों में तत्परतापूर्वक पूरा किया जाना चाहिए। जिन विश्वविद्यालयों में अब भी पूर्वलंबित कुछ परीक्षाओं का आयोजन नहीं हो पाया है, उन्हें शीघ्र इनके लिए परीक्षा–कार्यक्रम जारी कर देना चाहिए। यह संतोष की बात है कि इस वर्ष लगभग सभी विश्वविद्यालय 'दीक्षांत–समारोह' आयोजित कर पाने में सफल हो गए हैं। मगध विश्वविद्यालय के लिए भी 'दीक्षांत समारोह' की तिथि शीघ्र निर्धारित हो जाएगी।

आशा है, ग्रीष्मावकाश के बाद जब विश्वविद्यालय/महाविद्यालय खुलेंगे, तब सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक एक नयी उमंग, नयी ऊर्जा और दृढ़निश्चय के साथ अपने–अपने शिक्षण संस्थानों की गरिमा और समृद्धि बढ़ाने में जुट जाएँगे। इस क्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों में छात्रसंघों के शांतिपूर्ण चुनाव, अन्तर्विश्वविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'तरंग' एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता 'एकलव्य' के सफल आयोजन की तैयारी तथा आगामी वर्षा ऋतु में 'हर परिसर–हरा परिसर' की योजना का सफल कार्यान्वयन –हमारे आगामी शैक्षणिक–सत्र लिए ऐसे प्रारंभिक महत्वपूर्ण कार्य होंगे –जिन्हें हमें सफलतापूर्वक सुनिश्चित करना होगा।

हम पक्के इरादों और नये हौसलों के साथ अपनी प्रगति की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। आशा है, अपने कदमों में रफ्तार लाकर मंजिल तक जल्दी पहुँचने में हम निश्चय ही कामयाब हो जाएँगे।

शुभकामनाओं सहित,

विवेक

(विवेक कुमार सिंह)
राज्यपाल के प्रधान सचिव

वर्ष-2, अंक-6, जून 2019
प्रधान सम्पादक
विवेक कुमार सिंह
कार्यकारी सम्पादक
विनोद कुमार
सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक
सम्पादकीय पता: जन-सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना-22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

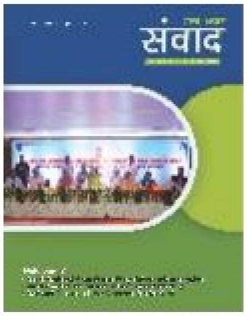

इस अंक में

- अपसंस्कृति के दुष्प्रभावों से अपनी शिक्षा-प्रति को बचाते हुए हमें नये भारत का निर्माण करना होगा
- विश्व-पटल पर नये भारत का पुनरुत्थान हो रहा है-राज्यपाल
- जय प्रकाश विश्वविद्यालय का 'चतुर्थ दीक्षांत समारोह' सम्पन्न
- बिहार के विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन
- विश्वविद्यालयों में 'यू. एम. आई. एस.' के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई
- राजभवन में आयोजित पहले 'जन-विमर्श' कार्यक्रम में कई मामले निष्पादित हुए
- राज्यपाल ने 'बौद्ध धर्म और पर्यावरण' नामक पुस्तक को लोकार्पित किया
- राज्यपाल ने 'क्वालिटी इन हायर एजुकेशन-इश्यूज एण्ड चैलेन्जेज' नामक पुस्तक को लोकार्पित किया
- महामहिम राज्यपाल ने माननीय श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर शुभकामनाएँ दी
- सभी कुलपतियों को 'नैक प्रत्ययन' की तैयारी के लिए साप्ताहिक समीक्षा-बैठकें आयोजित करने के लिए कहा गया
- महामहिम राज्यपाल ने राजभवन स्थित 'बुद्ध प्रतिमा' की अभ्यर्थना की
- राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी पर केन्द्रित दो किताबों को विमोचित किया
- राज्यपाल ने कुलपतियों एवं प्रतिकुलपतियों के लिए प्रशासकीय सेवा-शर्तों से संबंधित परिनियम को अपनी स्वीकृति प्रदान की
- राजभवन में 'एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर' आयोजित
- विश्वविद्यालय परिसर
- शिष्टाचार

विश्व–पटल पर नये भारत का पुनरूत्थान हो रहा है–राज्यपाल

दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल, 30 मई 2019

''विश्व–पटल पर नये भारत का पुनरुत्थान हो रहा है। आर्थिक समृद्धि के साथ–साथ शैक्षिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि भी बेहद जरूरी होती है। भारत की प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत अत्यन्त समृद्ध रही है। जरूरत है कि आज अपनी प्राचीन सांस्कृतिक और शैक्षिक समृद्धि से प्रेरणा ग्रहण करते हुए मौजूदा दौर की चुनौतियों का सामना करने के लिए हम दृढ़संकल्पित हो जाएँ।'' –उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय एस॰के॰ मेमोरियल हॉल में आयोजित पटना विश्वविद्यालय के वार्षिक 'दीक्षांत समारोह' को अध्यक्षीय पद से संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि यह अत्यन्त सुखद संकेत है कि हम आज पुनः अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान–सम्पदा में से ही सार्थक तत्वों की पहचान कर आधुनिक युग की चुनौतियों और समस्याओं का समाधान तलाशने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले की पाश्चात्य शिक्षा–व्यवस्था की जगह हमें अपनी जड़ों में ही जीवंत तत्वों की खोज कर समाधान के मार्ग–तलाशने होंगे। राज्यपाल ने कहा कि हम आज लॉर्ड मैकाले की सोच से उबरकर, चंदा–राशि से बी॰एच॰यू॰ जैसा भव्य शैक्षणिक संस्थान स्थापित कर देनेवाले पं॰ मदन मोहन मालवीय की शैक्षिक विचारधारा की ओर मुड़ रहे हैं। श्री टंडन ने कहा कि इस 'दीक्षांत समारोह' का परिधान और माथे की 'मालवीय टोपी' यह बता रही है कि हम अपनी मूल 'थाती' से प्रेरणा ग्रहण करना सीख गये हैं।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार राज्य में भी उच्च शिक्षा का तेजी से विकास हो रहा है। आज एक को छोड़कर सभी विश्वविद्यालयों में 'दीक्षांत समारोह' आयोजित कराते हुए छात्रों को ससमय डिग्रियाँ उपलब्ध करा दी गई हैं ताकि वे अपने भविष्य को सँवार सकें और जीविका उपार्जित कर सकें। श्री टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण सार्थक और सकारात्मक बनाने के उद्देश्य से नियमित वर्ग–संचालन करने की हिदायत दी गई है।

राज्यपाल ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय के इस बार के 'दीक्षांत समारोह' में कुल 42 स्वर्ण पदकों में से 31 स्वर्ण पदक मेधावी छात्राओं को ही मिले हैं। यह राज्य में महिला– सशक्तीकरण की सुदृढ़ स्थिति का संकेतक है। उन्होंने ने कहा कि डिग्री लेकर विद्यार्थी विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए जीवन के खुले प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं। राज्यपाल ने डिग्री–प्राप्तकर्त्ता सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ एवं आर्शीवचन प्रदान किये।

कार्यक्रम में बोलते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा पर यथेष्ट राशि खर्च कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महामहिम राज्यपाल के मार्ग–दर्शन में उच्च शिक्षा प्रक्षेत्र को आधुनिक युग की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने में निश्चय ही कामयाबी मिलेगी।

कार्यक्रम में 'दीक्षांत–भाषण' देते हुए भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान (ICSSR) के अध्यक्ष डॉ॰ बी॰बी॰ कुमार ने कहा कि यद्यपि आज की भी शिक्षा–व्यवस्था स्वयं एक बोझ बन गई है, किन्तु इसको सँवारने और युगीन जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए हमें शिक्षा और विचार–संस्थानों की शरण में जाना होगा। उन्होंने कहा कि हमें 'डिनायल सिन्ड्रोम' से उबरकर सकारात्मक चिन्तन करना चाहिए तथा अपनी विरासतों और सुदीर्घ गौरवशाली परंपराओं में ही अपनी प्रगति और मजबूती की दिशा खोजनी चाहिए। जड़ो से जुड़ाव बेहद जरूरी होता है।

'दीक्षांत–समारोह' में पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रासबिहारी प्रसाद सिंह ने विस्तारपूर्वक पटना विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख अपनी प्रतिवेदन–प्रस्तुति के दौरान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की कमी की समस्या से निबटने के लिए 95 अंशकालिक शिक्षकों को शीघ्र ही विश्वविद्यालय–प्रशासन नियुक्त कर देगा। उन्होंने कहा कि एन॰डी॰एल॰ से पटना विश्वविद्यालय को जोड़ा जा रहा है। उत्कृष्ट शोध–पत्र प्रस्तुत करनेवाले शिक्षक–छात्र भी प्रोत्साहित हो रहे हैं।

'दीक्षांत समारोह' में 2018 में उत्तीर्ण कुल 1608 विद्यार्थियों में 872 को आज सभागार में डिग्री प्रदान की गई। ज्ञातव्य है कि कुल उत्तीर्ण विद्यार्थियों में 895 छात्राएँ रहीं।

'दीक्षांत समारोह' का संचालन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया। समारोह में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा सहित कई विश्वविद्यालयों के कुलपति–प्रतिकुलपति, अभिषद्, अनुषद् एवं विद्वत परिषद् के सदस्य, संकायाध्यक्षगण, वरीय शिक्षकगण, बुद्धिजीवीगण आदि भी उपस्थित थे।

दीक्षान्त समारोह में विद्यार्थियों के बीच राज्यपाल, 30 मई 2019

जय प्रकाश विश्वविद्यालय का 'चतुर्थ दीक्षांत समारोह' सम्पन्न

जय प्रकाश विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों में डिग्री वितरित करते हुए राज्यपाल

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के 'चतुर्थ दीक्षांत समारोह' का 28 मई, 2019 को उद्घाटन किया। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ''आज का यह दिन विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय दिन है, जब विश्वविद्यालय से उपाधि लेकर छात्र जीवन के एक नये क्षेत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं तथा नयी चुनौतियों का सामना करने को तैयार हैं।'' उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इसे शिक्षा की समाप्ति कभी न समझें और अपने भीतर के शिष्यत्व को हमेशा जीवित रखें, क्योंकि जीवन में सफलता सतत सीखने पर ही निर्भर करती है। भविष्य में जीवन के अनुभव आपको बहुत कुछ सिखायेंगे। विपरीत परिस्थितियों का धैर्य से सामना करने की ऊर्जा यदि आप अपने भीतर सँजो लेंगे तो कुछ नया करने के रास्ते में भी आप चुनौतियों का मुकाबला आसानी से कर लेंगे। राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण, जिनके नाम पर यह विश्वविद्यालय स्थापित है, उन्हें राष्ट्र की युवा शक्ति पर पूरा भरोसा था और वे युवा वर्ग को व्यवस्था–परिवर्तन का संवाहक मानते थे। इस नाते भी सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में आपकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति श्री टंडन ने कहा कि राज्य में विश्वविद्यालयीय शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए कुछ ठोस और सार्थक कदम पिछले वर्ष हमने उठाये हैं। विश्वविद्यालयों में अकादमिक एवं परीक्षा कैलेण्डर के अनुरूप समय पर नामांकन, परीक्षा–आयोजन, परीक्षाफल प्रकाशन तथा डिग्री–वितरण के लिए दीक्षांत समारोहों के आयोजन हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों में University Management Information System (UMIS) इसी वर्ष से पूरे राज्य में लागू होने जा रहा है, जिससे छात्र एवं शिक्षक काफी लाभान्वित होंगे। जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में 'UMIS' का कार्यान्वयन प्रारंभ हो जाने पर राज्यपाल ने संतोष व्यक्त किया।

समारोह में अपने विचार रखते हुए राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में काफी अधिक छात्राएँ हैं। जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा बिहार में महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज के दीक्षांत–समारोह में भी 83% से अधिक 'गोल्ड मेडल' बेटियों को मिले हैं। यह पूरे राज्य के लिए भी गौरव की बात है।

राज्यपाल ने कहा कि आज सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं इसके यशस्वी नेतृत्व की आशा भरी निगाहें देश के युवाओं पर टिकी हुई हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी मिलकर यह प्रण लें कि एक नये भारत के पुनरूत्थान में हम सभी अपना भरपूर योगदान देंगे।

समारोह में जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ हरिकेश सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रख्यात् शिक्षाविद् प्रो॰ जगमोहन सिंह राजपूत ने अपने विद्वतापूर्ण संबोधन में उच्च शिक्षा के विकास में भारतीय मूल्यों को समाहित किए जाने की वकालत की।

कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, प्रतिकुलपति प्रो॰ अशोक कुमार झा, प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, अधिषद्, अभिषद् एवं विद्वत परिषद् के सदस्यगण सहित कई जनप्रतिनिधिगण, विश्वविद्यालय तथा प्रमंडल व जिला प्रशासन के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

जे.पी.यू. के दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल, 28 मई 2019

बिहार के विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

शोध पर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल, 29 मई 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय होटल 'लेमन–ट्री–प्रीमियर' के सभागार में राजभवन के सौजन्य से तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय द्वारा संयोजित 'बिहार के विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने हेतु संवेदीकरण कार्यशाला' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विद्वानों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को आमंत्रित कर एक सफल कार्यशाला आयोजित करने के लिए तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं समस्त विश्वविद्यालय–परिवार को बधाई दी तथा उम्मीद जाहिर की कि सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति और विद्वान शिक्षक इस संवेदीकरण कार्यशाला से निश्चय ही लाभ उठायेंगे और अपने विश्वविद्यालयों में शोध–गतिविधियों में गुणवत्ता–विकास के प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने 'बीज–वक्तव्य' के अंतर्गत इंडियन कॉन्सिल ऑफ सोशल रिसर्च (ICSSR) के अध्यक्ष डॉ॰ बी.बी॰ कुमार ने कहा कि आई॰सी॰एस॰एस॰आर॰ की विभिन्न शोध–परियोजनाओं से बिहारी विद्यार्थी एवं शिक्षक काफी कम रुप से लाभान्वित हो पा रहे हैं। विगत वर्षों के आँकड़े प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ हमने सिर्फ सूचना–तंत्र को जोड़ा है, फलतः हमारे शोध–कार्यों में मौलिकता और गुणवत्ता नहीं आ पा रही है। अपने संवेदनापूर्ण संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि यह एक विडम्बना है कि अत्यन्त कोमल और भावुक बच्चों को हम अपने शिक्षण संस्थानों से ज्यादातर एक क्रूर और उग्र युवा बनाकर निकालते हैं। डॉ॰ कुमार ने कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा पर हम गंभीरता से सोंचे। उन्होंने कहा कि समाजशास्त्रियों को ही 'थिंक–टैंक' के रूप में शिक्षा–विकास के प्रयासों में अपनी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि 'डॉक्टेरल फेलोशिप', 'सिंगल फेलोशिप', 'विभिन्न रिसर्च प्रोग्राम्स' तथा 'ट्रेनिंग एवं कैपिसिटी बिल्डिंग' की विभिन्न परियोजनाओं के तहत बिहारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास को अंग्रेज इतिहाकारों ने हमारी कुछेक विसंगतियों के कारण कलंकित करने का षड्यंत्रमूलक प्रयास जान–बूझकर किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल के उच्च शिक्षा परामर्शी प्रो॰ आर॰सी॰ सोबती ने कहा कि वैश्विक मानकों के अनुरूप हमें अपने शोध–कार्यों को विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'न्यू इंडिया विजन–2022' के अनुरूप अपनी उच्च शिक्षा को 'अप–टू–मार्क' बनाना होगा।

कार्यक्रम में विषय–प्रवेश व स्वागत–भाषण करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि कल्याणकारी राज्य में हमें सभी विश्वविद्यालयों को शिक्षा विकास के समान अवसर उपलब्ध कराने होंगे। उन्होंने कहा कि शोध के बगैर शिक्षा का कोई महत्व नहीं है।

इस संवेदीकरण कार्यशाला के उद्घाटन–सत्र में यू॰जी॰सी॰ के उपाध्यक्ष डॉ॰ भूषण पटवर्द्धन, कॉन्सिल ऑफ साइंसटिफिक एण्ड इंडस्ट्रीयल रिसर्च के (HRDIS) के हेड डॉ॰ ए॰के॰ चक्रवर्ती आदि भी उपस्थित थे। कार्यशाला में तिलकामाँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ लीला चन्द साहा ने धन्यवाद–ज्ञापन किया।

कार्यशाला के विभिन्न तकनीकी सत्रों में अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी के डॉ॰ जगदीश कृष्णास्वामी, यू॰जी॰सी॰ के वाइस चेरयमैन डॉ॰ भूषण पटवर्द्धन, डॉ॰ ए॰के॰ चक्रवर्ती, प्रो॰ आर॰सी॰ सोबती, डॉ॰ अरूण कुमार रावत (परामर्शी, बायोटैक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्रालय), डॉ॰ अशोक कुमार (दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ॰ अखिलेश मिश्रा (इंचार्ज, पॉलिसी रिसर्च सेल, डी॰एस॰टी॰), डॉ॰ हरिओम यादव (सी॰एस॰आई॰आर॰) आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। खुले सत्र में विशेषज्ञ–वक्ताओं ने कार्यशाला के प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिये।

शोध पर संवेदीकरण कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल, 29 मई 2019

राजभवन में आयोजित पहले 'जन–विमर्श' कार्यक्रम में कई मामले निष्पादित हुए

'जन–विमर्श' कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए राज्यपाल 28 मई 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन के निदेशानुसार राज्य के विश्वविद्यालयों के अन्तर्गत विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों या किसी आमजन की विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनसे जुड़े मामलों के निष्पादन के लिए प्रथम 'जन–विमर्श' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्यपाल ने प्रत्येक महीने में एक दिन 'जन–विमर्श' का विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का निदेश दिया है, जिसमें तीन विश्वविद्यालय के 15–15 मामलों पर सुनवाई करते हुए उनके तत्काल निष्पादन के प्रयास किए जायेंगे।

इस क्रम में राज्यपाल श्री टंडन ने प्रथम 'जन–विमर्श' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय–प्रशासन को छात्र–हितों को सर्वोपरि मानते हुए उनके कार्यों को प्राथमिकतापूर्वक निष्पादित करना होगा। श्री टंडन ने कहा कि छात्रों की पढ़ाई, उनके परीक्षाफल के प्रकाशन और नियमित तौर पर डिग्री–वितरण में जो भी विश्वविद्यालय–प्रशासन के अधिकारी लापरवाही बरतेंगे, उनके विरूद्ध सख्त अनुशासनिक कार्रवाई होगी। राज्यपाल ने कहा कि प्राप्त शिकायतों पर या तो विश्वविद्यालयीय अधिकारी स्वयं नियमानुरूप आवश्यक त्वरित कार्रवाई करें, नहीं तो स्वयं राजभवन की कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। 'Take Action, otherwise face Action' के आधार पर राजभवन अब मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर देते हुए, संबंधित विश्वविद्यालय–प्रशासन से सक्रियता और संवेदनशीलता की उम्मीद करेगा। राज्यपाल ने 'जन–विमर्श' कार्यक्रम में आज कहा कि मामलों को लटकाये रखने से पारदर्शिता बाधित होती है और लोगों के मन में कई तरह की आशंकाएँ पैदा होती हैं। इसलिए, किसी भी मामले के निष्पादन में अनावश्यक विलम्ब नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि 'जन–विमर्श' कार्यक्रम के तहत पुराने गंभीर प्रकृति के मामलों का त्वरित निष्पादन कराते हुए जून के उत्तरार्द्ध से ऑनलाईन अभ्यावेदन भी आमंत्रित किया जाना चाहिए।

आज के 'जन–विमर्श' कार्यक्रम में बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया एवं भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा से जुड़े विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। इस कार्यक्रम में इन तीनों विश्वविद्यालय के कुलपति क्रमशः डॉ॰ अमरेन्द्र नारायण यादव, डॉ॰ राजेश सिंह एवं डॉ॰ अवध किशोर राय उपस्थित थे। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, संयुक्त सचिव श्री विजय कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी (न्यायिक) श्री फूलचंद चौधरी एवं विशेष कार्य पदाधिकारी (विश्वविद्यालय) श्री अहमद महमूद आदि भी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालयों में 'यू. एम. आई. एस.' के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई

'यू.एम.आई.एस.' के कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, 8 मई 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन के निदेशानुरूप आज राजभवन सभाकक्ष में राज्य के विश्वविद्यालयों में 'University Management Information System-UMIS के कार्यान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि इस बार के शैक्षणिक सत्र से ही सभी विश्वविद्यालयों में यू॰जी॰–पी॰जी॰ तथा अन्य सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन एडमिशन की प्रक्रिया हर हालत में प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आवेदन से लेकर नामांकन तक सभी प्रक्रियाएँ ऑन–लाईन पूरी करने के अलावे, 'स्टूडेंट्स एवं टीचर्स लाइफ–साईकिल' से जुड़े सभी कार्य 'UMIS' के तहत पूरी तरह कम्प्यूटराइज्ड हों, इसके लिए पूरे पैकेज को एक साथ लागू किया जाना जरूरी है। प्रधान सचिव ने कहा कि 'UMIS' व्यवस्था के तहत तत्काल हर हालत में सभी विश्वविद्यालयों को यू॰जी॰ में नामांकन–प्रक्रिया पूरी करनी है; जिसके लिए चयनित कार्यकारी एजेंसी एवं विश्वविद्यालयों के नोडल पदाधिकारियों को समन्वयपूर्वक कार्य करना होगा। प्रधान सचिव ने कहा कि महामहिम राज्यपाल के निदेश के अनुपालन में थोड़ी भी शिथिलता को गंभीरता से लिया जाएगा तथा जिम्मेवार अधिकारियों को चिह्नित कर दंडित किया जायेगा।

आज की बैठक में समीक्षा के दौरान यह बात स्पष्ट हुई कि पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय को छोड़कर अन्य सभी विश्वविद्यालयों में 'यू॰एम॰आई॰एस॰' के कार्यान्वयन की तैयारियाँ संतोषजनक हैं। पूर्णिया विश्वविद्यालय के यू॰एम॰आई॰ के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि निविदा–प्रक्रिया पूरी कर अभी तक कार्यादेश निर्गत नहीं किया जा सका है तथा वहाँ अर्थ की भी समस्या आड़े आ रही है। इस संदर्भ में नोडल पदाधिकारी को राजभवन द्वारा पूर्व में दिए गए मार्ग–दर्शनों का स्मरण कराते हुए कहा गया है कि इसी शैक्षणिक सत्र से हर हालत में महामहिम कुलाधिपति के आदेशालोक में यू॰एम॰आई॰एस॰ व्यवस्था लागू होनी है। नोडल पदाधिकारी से पूछा गया कि अन्य विश्वविद्यालय भी राज्य सरकार द्वारा प्राप्त प्रारंभिक राशि 10 लाख रूपये की राशि से ही जब कार्यारंभ करा चुके हैं, तब पूर्णिया विश्वविद्यालय के लिए क्यों कठिनाई है? उन्हें स्पष्ट हिदायत दी गई कि कार्यकारी एजेन्सी नियमानुरूप चुनते हुए अविलम्ब कार्यादेश निर्गत होना चाहिए तथा यू॰एम॰आई॰एस॰ के कार्यान्वयन का मार्ग शीघ्र प्रशस्त होना चाहिए। वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के प्रतिनिधि ने बताया कि कुछ प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण उन्हें दुबारा निविदा निकालनी पड़ी है। वी॰के॰एस॰यू॰ आरा के नोडल पदाधिकारी को शीघ्र निविदा निष्पादित कराते हुए कार्यारंभ कराने का निदेश दिया गया ताकि यू॰जी॰ एडमिशन में अनावश्यक विलम्ब न हो। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि पदाधिकारी ने बताया कि एन॰आई॰सी॰ के जरिये उनके यहाँ यू॰एम॰आई॰एस॰ का कार्यान्वयन किया जायेगा। बैठक में समीक्षा के दौरान बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर में भी यू॰एम॰आई॰एस॰ संबंधी कार्यादेश नहीं निकल पाने पर असंतोष व्यक्त किया गया।

समीक्षा के दौरान टी॰एम॰बी॰यू॰, भागलपुर एवं बी॰एन॰एम॰यू॰, मधेपुरा विश्वविद्यालय में 'UMIS' के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन पर संतोष व्यक्त किया गया। अन्य विश्वविद्यालयों को भी शीघ्र कार्यादेश निर्गत कर इस व्यवस्था का पूर्णतः कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव ने सभी विश्वविद्यालयों को 'UMIS' व्यवस्था के तहत राज्यपाल सचिवालय एवं राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को लिंक प्रदान करते हुए 'यूजर–आई॰डी॰' और 'यूजर–पासवर्ड' शीघ्र उपलब्ध कराने का निदेश दिया ताकि व्यवस्था की सतत् मोनिटरिंग की जा सके।

प्रधान सचिव ने कहा कि जिन 4 विश्वविद्यालयों में यू॰एम॰आई॰एस॰ के कार्यान्वयन में संतोषजनक प्रगति नहीं पाई गई है, उनके पदाधिकारियों की पुनः 15 मई को राजभवन में बैठक आयोजित की जाये तथा अनुपालन–स्थिति की समीक्षा की जाये। बैठक में प्रधान सचिव ने सभी नोडल पदाधिकारियों को निदेश दिया कि हरेक विश्वविद्यालय से प्रत्येक दिन शाम में दिन भर की उपलब्धियों पर आधारित एक 'Summary Report' आनी चाहिए।

इस बैठक में संयुक्त सचिव श्री विजय कुमार, ओ॰एस॰डी॰ श्री अहमद महमूद, राजभवन एन॰आई॰सी॰ प्रभारी श्री विजय कुमार सहित सभी विश्वविद्यालयों के नोडल पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने 'बौद्ध धर्म और पर्यावरण' नामक पुस्तक को लोकार्पित किया

पुस्तक लोकार्पित करते हुए राज्यपाल, 17 मई 2019

''भारतीय संस्कृति पर्यावरण के संतुलन और शुद्धि के प्रति शुरू से ही सजग-सचेत रही है। हमारी वैदिक ऋचा में पृथ्वी को माता और मनुष्य को उसका पुत्र कहा गया है। प्रकृति के साथ मनुष्य के रागात्मक रिश्ते और साहचर्य को सम्पूर्ण वैदिक वांगमय में पर्याप्त सम्मान मिला है। 'यत पिंडे तत् ब्रह्माण्डे' की भावना से प्रेरित भारतीय मनीषा और चिन्तन-धारा ने सम्पूर्ण प्रकृति और मनुष्य के निकट संबंध को पूरी संवेदनशीलता के साथ ग्रहण किया है। बौद्ध-धर्म भी प्रकृति के साथ मनुष्य की सन्निकटता का सार्थक संदेश देनेवाला एक प्रेरणादायी पथ- प्रदर्शक है।'' -उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन में आयोजित 'बौद्ध धर्म और पर्यावरण' नामक पुस्तक को लोकार्पित करते हुए व्यक्त किये। डॉ. ध्रुव कुमार लिखित इस पुस्तक को विमोचित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज पर्यावरण-संतुलन पर विभिन्न तरह के खतरे मँडराने लगे हैं। उन्होंने कहा कि दुनियाँ के सामने सबसे बड़ा आगामी संकट 'जल' को ही लेकर आनेवाला है।

कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज वायु-प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। रात में स्वच्छ चाँदनी और भोर की सुगंधित मंद बयार एक सपना होती जा रही है। पूरा वायुमंडल प्रदूषित होते जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन-चरित्र से भी हमें प्रकृति के साथ अपनी निकटता बरकरार रखने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध को संबोधि पावन पीपल वृक्ष तले मिली। कुशीनगर के समीप उपवत्तन शालवन में ही उन्होंने 'महापरिनिर्वाण' भी प्राप्त किया। श्री टंडन ने कहा है कि चिंतनपरक एवं शोधपरक साहित्य ही बहुमूल्य होता है और लोकार्पित पुस्तक में नव चिंतन और शोधपरकता-दोनों हैं, जिसके लिए लेखक बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम में पटना एवं पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपतियों तथा कवि सत्यनारायण आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पुस्तक के लेखक डॉ. ध्रुव कुमार ने बौद्ध धर्म की प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को व्यापक संदर्भों में रेखांकित किया। कार्यक्रम में स्वागत-भाषण प्रभात प्रकाशन के डॉ. पीयूष कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद-ज्ञापन राज्यपाल के आप्त सचिव श्री संजय चौधरी ने किया।

राज्यपाल ने 'क्वालिटी इन हायर एजुकेशन-इसूज एण्ड चैलेन्जेज' नामक पुस्तक को लोकार्पित किया

'उच्च शिक्षा की चुनौतियां' विषय पर पुस्तक लोकार्पित करते हुए राज्यपाल, 20 मई 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने आज राजभवन में प्रो. तपन कुमार शांडिल्य एवं तान्या शर्मा द्वारा सम्पादित पुस्तक ''क्वालिटी इन हायर एजुकेशन -इसूज एण्ड चैलेन्जेज'' ("Quality in Higher Education -Issues and Challenges") को लोकार्पित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि बिहार में उच्च शिक्षा में सुधार-प्रयासों को और अधिक तत्परता और तेजी से कार्यान्वित किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि लोकार्पित हुई पुस्तक 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता-विकास' की महत्वपूर्ण चुनौतियों को समझने तथा उनका सामना करने के तौर-तरीकों के बारे में समुचित जानकारी उपलब्ध कराती है।

इस अवसर पर पुस्तक के संपादक और स्थानीय कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एण्ड साइंस के प्राचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि इस पुस्तक में नैक प्रत्ययन की प्रक्रिया, भूमंडलीकरण के युग में उच्च शिक्षा, वर्चुअल लर्निंग, व्यक्तित्व विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका, राष्ट्रीय विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका, भारत में उच्च शिक्षा -चुनौतियाँ और सुझाव, उच्च शिक्षा की प्रासंगिकता, बिहार में उच्च शिक्षा का परिदृश्य, बिहार में महिला शिक्षा का बदलता परिदृश्य, उच्च शिक्षा में पं. मदन मोहन मालवीय की भूमिका जैसे कुल 26 महत्वपूर्ण विषयों पर अत्यन्त उपयोगी, ज्ञानवर्द्धक और सारगर्भित आलेख शामिल किए गए हैं।

विविधा

महामहिम राज्यपाल ने माननीय श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर शुभकामनाएँ दी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने माननीय श्री नरेन्द्र मोदी को भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री के शपथ–ग्रहण–समारोह में शामिल होने के लिए महामहिम राज्यपाल श्री टंडन नई दिल्ली भी गए हुए थे।

राज्यपाल श्री टंडन ने अपनी शुभकामना में विश्वास व्यक्त किया है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सम्पूर्ण विश्व में भारत की और अधिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि देश के प्रत्येक वर्ग का प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में सर्वांगीण विकास होगा और भारत की बहुमुखी प्रगति होगी।

राज्यपाल ने शपथ लेनेवाले केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् के सभी सदस्यों को भी बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे सभी माननीय प्रधानमंत्री के मार्ग–दर्शन में भारत को विश्व शक्ति बनाने तथा राष्ट्र की समग्र उन्नति हेतु अपना भरपूर योगदान देंगे।

सभी कुलपतियों को 'नैक प्रत्ययन' की तैयारी के लिए साप्ताहिक समीक्षा–बैठकें आयोजित करने के लिए कहा गया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 'नैक–प्रत्ययन' (NAAC Accreditation) हेतु चरणबद्ध रूप से सभी प्रक्रियाएँ तेजी से पूरी कर लेने का आदेश दिया है। इस क्रम में राज्यपाल श्री टंडन ने सभी कुलपतियों को निदेशित किया है कि वे प्रत्येक सप्ताह अपने क्षेत्राधीन सभी अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ समीक्षा–बैठकें आयोजित करें।

राजभवन, पटना

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा है कि इस वर्ष सभी विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों को हर हालत में 'नैक प्रत्ययन' कराते हुए अपनी संस्थाओं की ग्रेडिंग करा लेनी होगी। राज्यपाल ने कहा है कि पिछले महीने 4–5 अप्रैल तक राज्य के सभी 260 अंगीभूत कॉलेजों ने नैक–प्रत्ययन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए ए॰आई॰सी॰एच॰यू॰ में सांस्थिक सूचनाएँ दाखिल कराते हुए आई॰डी॰ प्राप्त कर लिया था। 94 कॉलेजों ने Institutional Information for Quality Assessment (IIQA) के तहत गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए अबतक अपनी सांस्थिक सूचनाएँ उपलब्ध करा दी हैं। अब अगले चरण में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को 'Self Study Report –S.S.R.' दाखिल करना है। राजभवन ने सभी कुलपतियों को कहा है कि विश्वविद्यालय स्तर पर प्रत्येक सप्ताह प्राचार्यों की बैठक कर वस्तुस्थिति की समीक्षा की जाये एवं अद्यतन प्रगति से सतत राजभवन को भी अवगत कराया जाये।

गौरतलब है कि राज्य के अंगीभूत 260 महाविद्यालयों में 99 नैक–प्रत्ययन–प्राप्त हैं, जिन्हें अपने ग्रेड में सुधार के लिए प्रयास करना होगा; जबकि शेष को बिल्कुल नये सिरे से नैक–ग्रेडिंग हेतु प्रयास करना है। सबसे ज्यादा नैक–प्रत्ययन–प्राप्त महाविद्यालय ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के अंतर्गत 65 प्रतिशत हैं, जबकि पुराने विश्वविद्यालयों में बी॰एन॰मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा में सबसे कम 14 प्रतिशत अंगीभूत महाविद्यालय ही नैक–प्रत्ययन–प्राप्त हैं।

राजभवन ने 'नैक प्रत्ययन' एवं 'यू॰एम॰आई॰एस॰' के कार्यान्वयन को अपनी प्राथमिकताओं में सर्वोपरिता दे रखी है और महामहिम कुलाधिपति के निदेशानुसार लगातार इन दोनों महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की तैयारी की मोनिटरिंग की जा रही है।

महामहिम राज्यपाल ने राजभवन स्थित 'बुद्ध प्रतिमा' की अभ्यर्थना की

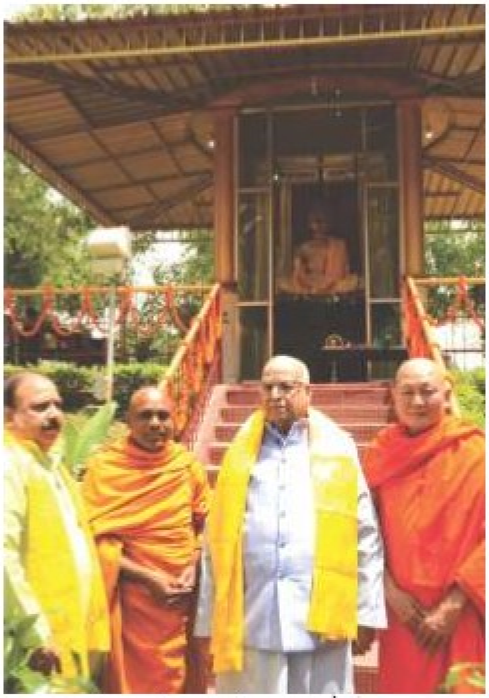

बुद्ध प्रतिमा की अभ्यर्थना कर लौटते राज्यपाल, 18 मई 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने 'बुद्ध पूर्णिमा' के सुअवसर पर राजभवन के समीप स्थित 'बुद्ध पार्क' में भगवान बुद्ध की प्रतिमा की पूजा–अर्चना की और उन्हें अपना नमन निवेदित किया। महामहिम राज्यपाल को बोधगया से आए भन्ते डॉ॰ वन्ना थारे एवं डॉ॰ आनंद थेरो ने भगवान बुद्ध की पूजा करायी। राज्यपाल श्री टंडन ने भगवान बुद्ध की पूजा–अभ्यर्थना करते हुए बिहारवासियों और देशवासियों के कल्याण और समृद्धि की मंगलकामना की तथा यह विश्वास व्यक्त किया कि भगवान बुद्ध की कृपा से बिहार सहित सम्पूर्ण देश तेजी से प्रगति–पथ पर अग्रसर होगा।

राज्यपाल ने पूजा के बाद कहा कि विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान बुद्ध के जीवन–दर्शन में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि 'वैशाखी पूर्णिमा' के दिन ही भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था, उन्हें सम्यक् ज्ञान (सम्बोधि) की प्राप्ति हुई थी तथा अन्ततः वे 'महापरिनिर्वाण' (समाधि) भी प्राप्त करने में सफल रहे थे। भगवान बुद्ध को एक ही दिन प्राप्त इन तीन दिव्य उपलब्धियों के उपलक्ष्य में 'बुद्ध पूर्णिमा' आयोजित की जाती है। राज्यपाल ने इस अवसर पर उपलब्ध सभी गणमान्य जन और नागरिकों को बधाई दी। आयोजन में संयुक्त सचिव श्री विजय कुमार सहित राज्यपाल सचिवालय के सभी वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी पर केन्द्रित दो किताबों को विमोचित किया

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने आज राजभवन सभागार में बिहार पुराविद् परिषद् के तत्वावधान में आयोजित 'पुस्तक लोकार्पण समारोह' में डॉ॰ किरण कुमारी द्वारा लिखित दो पुस्तकों –1. 'गाँधी के पथ पर' एवं 2. 'महात्मा गाँधी की जीवन–यात्रा' को विमोचित किया। उक्त अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गाँधी का जीवन–दर्शन न केवल भारत, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायी बना हुआ है।

पुस्तक लोकार्पित करने के बाद राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति भी सत्य और अहिंसा को मनुष्यता के लिए परमावश्यक एवं हितकारी मानती है। गाँधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर 'स्वतंत्रता–संग्राम' के दौरान अपने जो प्रयोग किये, वे पूरी तरह आत्मबल और नैतिकता पर आधारित थे। उन्होंने कहा कि गाँधी की अहिंसा किसी निर्बलता का प्रतीक नहीं है, बल्कि वह शक्ति के संयमित सकारात्मक संचयन की एक सार्थक दृष्टि है, जिससे आततायी स्वतः नियंत्रित हो जाता है। राज्यपाल ने कहा कि आज जब हम महात्मा गाँधी का '150वाँ जयंती–वर्ष' मना रहे हैं, यह आवश्यक है कि हम गाँधी की 'स्वदेशी' की विचारधारा तथा सत्य और अहिंसा के बल पर समाज–सुधार के उनके प्रयासों को पूरी गंभीरता के साथ अपनायें।

गाँधीजी पर किताबें लोकार्पित करते हुए राज्यपाल, 22 मई 2019

राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गाँधी की 'आत्मकथा' जो सत्य के प्रयोग के रूप में सबके सामने आई, को 'श्रीमद्‌भगवद्‌गीता' के समान सभी भारतीय और पूरी दुनियाँ के लोग काफी सम्मान के साथ देखते हैं। उन्होंने कहा कि 'हिन्द स्वराज' गाँधी के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक–चिन्तनों का सार–रूप है।

राज्यपाल ने कहा कि 'गाँधी के पथ पर' नामक पुस्तक गाँधी–चिन्तन के कई अनछूये पहलुओं पर भी प्रकाश डालती है तथा 'महात्मा गाँधी की जीवन–यात्रा' नामक पुस्तक उनकी जीवन–यात्रा की सचित्र वर्णना है। राज्यपाल ने इन दोनों पुस्तकों की लेखिका डॉ॰ किरण कुमारी को बधाई और शुभकामनाएँ दी।

कार्यक्रम में बिहार पुरातत्व परिषद् के महासचिव डॉ॰ उमेशचन्द्र द्विवेदी, अध्यक्ष डॉ॰ चितरंजन प्रसाद सिन्हा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर भा.प्र.से. के सेवानिवृत्त अधिकारी डॉ॰ सी॰ अशोकवर्द्धन, भा.पु.से. के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री उमेश कुमार सिंह, श्रीमती विद्या चौधरी, अतिया बेगम, श्री अजित कुमार प्रसाद सहित राज्यपाल सचिवालय के भी कई अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कुलपतियों एवं प्रतिकुलपतियों के लिए प्रशासकीय सेवा–शर्त्तों से संबंधित परिनियम को अपनी स्वीकृति प्रदान की

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने कुलपतियों एवं प्रतिकुलपतियों के लिए प्रशासकीय सेवा शर्त्तों एवं सुविधाओं से संबंधित परिनियम (Statute) को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। ज्ञातव्य है कि पुराने परिनियम में स्पष्टता तथा वर्तमान आवश्यकता एवं समय के अनुरूप संशोधन की जरूरत महसूस की जा रही थी, जिसके मद्देनजर उक्त परिनियम को महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति द्वारा स्वीकृति दी गई है। इस परिनियम पर राज्य के शिक्षा विभाग एवं वित्त विभाग की भी सहमति प्राप्त है।

स्वीकृत परिनियम के अनुसार अखिल भारतीय सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों की भाँति कुलपतियों/प्रतिकुलपतियों को भी हवाई यात्राओं की सुविधाएँ प्राप्त होंगी। डी॰ए॰/होटल चार्जेज/टैक्सी चार्जेज आदि भी राज्य सरकार में प्रतिनियुक्त अखिल भारतीय सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुरूप होंगी। कुलपतियों/प्रतिकुलपतियों को अ॰भा॰से॰ के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुरूप विद्युत एवं जलापूर्ति की सुविधा विश्वविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। राज्य सरकार की भाँति कुलपतियों/प्रतिकुलपतियों को आतिथ्य सत्कार भत्ता भी प्राप्त हो सकेगा।

स्वीकृत परिनियम के अनुसार प्रतिकुलपतियों को कुलपति द्वारा एवं कुलपतियों को कुलाधिपति–सह–राज्यपाल द्वारा अवकाश स्वीकृत किये जायेंगे। विदेश–दौरे के लिए कुलपतियों/ प्रतिकुलपतियों को राज्य सरकार की अनुमति प्राप्त करनी होगी, जबकि विदेश दौरों के लिए अवकाश की स्वीकृति कुलाधिपति–सह–राज्यपाल द्वारा प्रदान की जायेगी।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति की स्वीकृति के बाद राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत कुलपतियों एवं प्रतिकुलपतियों के लिए सेवा शर्त्तों और सुविधाओं में और अधिक स्पष्टता एवं समयानुकूल समीचीनता आ जायेगी।

राजभवन में 'एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर' आयोजित

'एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर में चिकित्सकगण, 20 मई 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन के निदेशानुरूप, राजभवन स्थित राजेन्द्र मंडप परिसर में एक्यूपंक्चर चिकित्सा प्रणाली का एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर के प्रमुख चिकित्सक डॉ॰ संतोष गुडेरा (एम॰डी॰, एक्यूपंक्चर) ने बताया कि राजभवन में 20 मई से आगामी 26 मई, 2019 तक उनके नेतृत्व में एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। इस चिकित्सा शिविर में विभिन्न असाध्य रोगों यथा –एसिडिटी, एलर्जी, अर्थराइटिस, नी एण्ड बैक पेन, किडनी डिजार्डर, नेक स्टिफनेस, चर्म रोग, लकवा स्ट्रोक, साइनस, स्लिप डिस्क आदि की एक्यूपंक्चर प्रणाली से चिकित्सा किए जाने की भी उन्होंने जानकारी दी।

महामहिम राज्यपाल ने इस चिकित्सा शिविर के आयोजन के लिए देश के सुप्रसिद्ध एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ॰ संतोष गुडेरा की प्रशंसा करते हुए 'एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर' में लगभग 400 रोगियों की सफल एक्यूपंक्चर चिकित्सा पर संतोष व्यक्त किया शिविर आयोजन में राजभवन के प्रधान चिकित्सक डॉ॰ पी॰के॰वर्मा एवं सिविज सर्जन ऑफिस तथा राजभवन अस्पताल के कर्मियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

विश्वविद्यालय परिसर

पटना विश्वविद्यालय

सैदपुर कैंपस में सोलर लाइट

विश्वविद्यालय ने सैदपुर परिसर में सोलर लाइट के लिए प्लांट लगाने को 24 अप्रैल को करार किया। इस करार के अनुसार विश्वविद्यालय अगले 25 साल तक कम्पनी द्वारा सोलर प्लांट से जनित बिजली 4 रु. प्रति यूनिट की दर से खरीदेगा। कम्पनी 3 माह में 159 कि.वा. क्षमता का सोलर प्लांट लगा देगी जिसके सोलर प्लेट छात्रावासों की छतों पर लगेंगे और उनसे छात्रावासों में बिजली आपूर्ति होगी।

विश्वविद्यालय टीम का सम्पतचक का दौरा

केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने छात्रों तथा शिक्षकों के साथ । मई को सम्पतचक ब्लॉक के बहुआरा ग्राम का भ्रमण किया। उन्होंने गाँव के सर्वांगीण विकास के लिए ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय ने इस योजना के अन्तर्गत जिला प्रशासन के सहयोग से पाँच ग्रामों को चयनित किया है।

विदेशी स्कॉलरों के लिए पहल

पटना विश्वविद्यालय ने पटना लॉ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मो. शरीफ की अध्यक्षता में एक अन्तर्राष्ट्रीय सेल का गठन करकर विदेशी स्कॉलरों को विश्वविद्यालय से जुड़ने की दिशा में विशेष पहल की है। यह सेल विदेशी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश एंव विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित वांछित जानकारी प्रदान करेगा। इस सेल के अन्य सदस्य प्रो. अनुराधा सहाय, प्रो. जी.बी. चाँद, प्रो. आशीष पाठक एंव गुरुप्रकाश हैं। अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए छात्रावास के निर्माण की भी योजना है। वर्त्तमान में स्नात्कोत्तर विभागों में रोमानिया, अमेरिका, कोरिया एंव नेपाल के छात्र अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने हाल ही में विदेशी भाषाओं – फ्रेंच, जर्मन, स्पैनिश, चाइनीज़ तथा जापानी– में सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया है।

'बी. एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा'

बाल मजदूरी निषेध दिवस पर संगोष्ठी

भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय अंतर्गत स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग में 31 अप्रैल को बाल मजदूरी निषेध दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रति कुलपति डॉ. फारूक अली ने कहा कि बाल श्रम एक सामाजिक अभिशाप है। इसका उन्मूलन आवश्यक है।

इस अवसर पर वाणिज्य संकाय अध्यक्ष डॉ. लंबोदर झा, हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सीताराम शर्मा, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार झा, डॉ. सिद्धेश्वर काश्यप, डॉ. शंकर कुमार मिश्र सहित कई शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरूआत का निर्णय

बीएनएमयू में शीघ्र ही स्ट्रेस मेनेजमेन्ट और आपदा प्रबंधन में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके लिए क्रमश: स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग एवं स्नातकोत्तर भूगोल विभाग के अध्यक्ष को अविलंब पाठ्यक्रम एवं नियमावली तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में 14 मई को स्नातक व्यावसायिक कार्यक्रम के बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक कुलपति डॉ अवध किशोर राय की अध्यक्षता में आयोजित

हुई।

बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफरपुर

पर्यावरण संरक्षण के लिए गाँवों में जागरूकता फैलाने की जरुरत

'विश्व पृथ्वी दिवस' के अवसर पर दिनांक 22..4.2019 को बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफरपुर में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर एनआईटी पटना के डॉ. एनएस मौर्य ने कहा कि पर्यावरण से लेकर अन्य मुद्दों पर भले ही शहरों में जागरुकता बढ़ी है, लेकिन गाँव में अब भी लोग सजग नहीं हैं। पी.जी. रसायन शास्त्र विभाग के अधयक्ष डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव ने विषय प्रवेश और स्वागत भाषण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवेद उल हक ने किया। मौके पर 4 ओरल और 16 पोस्टर प्रेजेंट किये गये। इसमें शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों की ओर से सर्टिफिकेट दिया गया।

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय

आतंकवाद रोधी दिवस

UGC के निर्देशानुसार दिनांक 21 मई 2019 को मारवाड़ी महाविद्यालय के NSS इकाई के तत्वाधान में संगोष्ठी/परिचर्चा का आयोजन किया गया। डॉ. के.सी. झा, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. ब्रज भूषण तिवारी, डॉ. वेद व्यास मुनि, प्रेमजित, डॉ. शहाबउद्दिन ने विचार व्यक्त किया एवं ऐसे संगोष्ठी के आयोजन को प्रासंगिक बताया इस अवसर पर एन.एन.एस. द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सफल प्रतिभागियों को 3. मई को प्रमाण पत्र/प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाने की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अखिलेश श्रीवास्तव कर रहे थे। उन्होनें सभागार में उपस्थित सभी महानुभाव एवं छात्र-छात्राओं को निम्न शब्दों में शपथ दिलाया।

मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर

'फ्यूचर इंडिया –विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर एवं भारतीय विज्ञान कॉंग्रेस, पटना खंड के संयुक्त तत्वावधान में 'फ्यूचर इंडिया : विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन (03–04 अप्रैल, 2019) आर॰डी॰ एण्ड डी॰जे॰ महाविद्यालय परिसर में किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से वैज्ञानिकों, महान शिक्षाविदों, शोधरत छात्रों की सहभागिता हुई।

दो दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती (बिहार योगा विश्वविद्यालय, मुंगेर), माननीय कुलपति डॉ॰ रणजीत कुमार वर्मा, प्रतिकुलपति डॉ॰ कुसुम कुमारी, मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर द्वारा किया गया। सेमिनार का मुख्य अतिथि प्रो॰ डॉ॰ विजय लक्ष्मी सक्सेना (निर्वाचित अध्यक्ष (2020–21) भारतीय विज्ञान कांग्रेस कोलकाता) थीं। प्रो॰ (डॉ॰) ध्रुव कुमार सिंह (भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई) प्रो॰ (डॉ॰) विनोद कुमार तिवारी, (आई॰आई॰टी॰ वी॰एच॰यू॰) प्रो॰ विनय कुमार (दिल्ली विश्वविद्यालय) एवं प्रो॰ (डॉ॰) ध्यानेन्द्र कुमार (भारतीय विज्ञान कांग्रेस नॉमिनी, पटना खंड) सेमिनार के सम्मानीय अतिथि थे।

शिष्टाचार

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से राजभवन में 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' (U.G.C.) के वाइस चेयरमैन डॉ॰ भूषण पटवर्द्धन ने शिष्टाचार मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्यपाल श्री टंडन को आश्वस्त किया कि बिहार में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को तेज करने में यू॰जी॰सी॰ हरसंभव सहयोग करेगा।

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने मुलाकात के दौरान यू॰जी॰सी॰ के वाइस चेयरमैन डॉ॰ पटवर्द्धन को अपनी लिखी किताब 'अनकहा लखनऊ' भी प्रदान किया। (29 मई 2019)

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से नालंदा विश्वविद्यालय, नालंदा की कुलपति प्रो॰ सुनयना सिंह ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की।
(29 मई 2019)

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन से बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमिटी के सदस्य–सचिव श्री एन॰डोरजी ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की और 'बुद्ध जयंती' समारोह में बोधगया पधारने के लिए सादर आमंत्रित किया। श्री डोरजी के साथ महामहिम राज्यपाल से मिलने महाबोधि मंदिर के मुख्य मौंक भन्ते चलिन्दा भी आए थे। (पटना, 02 मई 2019)

बिहार के राज्यपाल

(स्वतंत्रता के बाद)

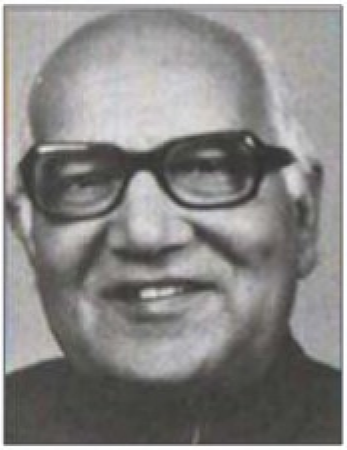

जगन्नाथ कौशल

(16 जून 1976 – 31 जनवरी, 1979)

ये 1952 में प्रथम राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए थे तथा बाद में सन् 1954 में सर्वोच्च न्यायालय के लिए वरीय अधिवक्ता के रूप में भी पदनामित हुए थे। सेवानिवृत्ति के पश्चात् भी कौशल पंजाब राज्य में महाधिवक्ता भी नियुक्त हुए थे। सन् 1980 में स्व॰ श्री कौशल लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे, जबकि 1982 से 1985 तक वे केन्द्रीय कानून मंत्री भी रहे।

अखलाकुर रहमान किदवई

(20 सितम्बर, 1979 – 15 मार्च, 1985)

ये एक प्रख्यात शिक्षाविद् और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने बिहार, पश्चिम बंगाल और हरियाणा के राज्यपाल के रूप में देश की सेवा की। स्व॰ श्री किदवई सन् 2000 से 2004 तक राज्यसभा के भी सदस्य रहे। सन् 1974 से 1977 तक वे संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के अध्यक्ष पद पर भी रहे। लोक–कार्यों के लिए इन्हें द्वितीय सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पदम्विभूषण' भी प्रदान किया गया था।

राजभवन, पटना स्थित भगवान बुद्ध का प्रतिमा-स्थल

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085
laserpatna@gmail.com